राजीव गान्धी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (मार्च 2021)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत (नियमित / स्वाध्यायी)

प्रश्नपत्र - प्रथम

प्रश्नपत्र का नाम - वेद

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है। प्रश्नों के उत्तर 500 से 800 शब्दों के बीच लिखिए।

प्रश्न -1. ऋग्वेदोक्त "इन्द्र सूक्त" (2.12) का सार प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न -2. शतपथ ब्राह्मण में प्रतिपादित "वाङ्-मनस्-संवाद" को विस्तार से लिखिए।

प्रश्न -3. वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न -4. निम्नलिखित किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए –

न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि न रात्र्या अह्न आसीत्प्रकेतः ।
आनीदवातं स्वधया तदेकं तस्माद्धान्यन्न परः किं चनास ॥

यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति ।
दूरंगं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

प्रश्न -5. निम्नलिखित मन्त्र की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए –

अभीवर्तेन मणिना येनेन्द्रो अभिवावृधे ।
तेनास्मान् ब्रह्मणस्पतेऽभि राष्ट्राय वर्धय ॥

सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात् ।
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम् ॥

राजीव गान्धी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (मार्च 2021)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत (नियमित / स्वाध्यायी)

प्रश्नपत्र - द्वितीय

प्रश्नपत्र का नाम - वेदांग

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है। प्रश्नों के उत्तर 500 से 800 शब्दों के बीच लिखिए।

प्रश्न -1. निरुक्त के अनुसार नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न -2. निरुक्त के अनुसार निर्वचन पद्धति को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न -3. निम्न में से 5 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –

(क) ततश्चत्वारि संध्यक्षराण्युत्तराणि।
(ख) तेषामाद्या स्पर्शाः
(ग) पञ्च ते पञ्चवर्गाः
(घ) उत्तरेऽष्टा ऊष्माणः।
(ङ) अनुनासिकोऽन्त्यः।
(च) अन्त्याः सप्त तेषामघोषाः।
(छ) चतस्रोऽन्तस्थास्ततः।

प्रश्न -4. निम्न में से दो श्लोकों की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए –

(क) माधुर्यमक्षरव्यक्तिः पदच्छेदस्तु सुस्वरः।
धैर्यं लयसमर्थं च षडेते पाठकागुणाः॥
(ख) गीती शीघ्री शिरः कम्पी यथालिखितपाठकः।
अनर्थज्ञोऽल्पकण्ठश्च षडेते पाठकाधमाः॥

प्रश्न -5.वेदांग वाङ्मय का परिचय देते हुए प्रत्येक वेदांग के बारे में विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

राजीव गान्धी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (मार्च 2021)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत (नियमित / स्वाध्यायी)

प्रश्नपत्र - तृतीय

प्रश्नपत्र का नाम - पाली, प्राकृत एवं भाषा विज्ञान

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है। प्रश्नों के उत्तर 500 से 800 शब्दों के बीच लिखिए।

प्रश्न -1. "मायादेवियासुपिनम्" का सारांश लिखिए।

प्रश्न -2. "खारवेल का हाथीगुम्फा गुहाभिलेख" की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न -3. भाषाशास्त्रीय चिन्तन की धारा में पाणिनि, कात्यायन एवं पतञ्जलि के अवदान का निरूपण कीजिए।

प्रश्न - 4. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय विस्तार से लिखिए।

प्रश्न - 5. अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाओं का वर्णन कीजिए।

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (मार्च 2021)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत (नियमित / स्वाध्यायी)

प्रश्नपत्र - चतुर्थ

प्रश्नपत्र का नाम - काव्य

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है। प्रश्नों के उत्तर 500 से 800 शब्दों के बीच लिखिए।

प्रश्न -1. मेघदूत के आधार पर मेघ के भौगोलिक मार्ग को विस्तृत रूप में लिखिए।

प्रश्न -2. निम्न पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मन्दं मन्दं नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां
वामश्चायं नदति मधुरं चातकस्ते सगन्धः।
गर्भाधानक्षणपरिचयान्नूनमाबद्धमालाः
सेविष्यन्ते नयनसुभगं खे भवन्तं बलाकाः॥

तस्मिन्नद्रौ कतिचिदबलाविप्रयुक्तः स कामी
नीत्वा मासान् कनकवलयभ्रंशरिक्तप्रकोष्ठः।
आषाढस्य प्रथमदिवसे मेघमाश्लिष्टसानुं
वप्रक्रीडापरिणतगजप्रेक्षणीयं ददर्श॥

धूमज्योतिःसलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे
कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाः चेतनाचेतनेषु॥

प्रश्न -3. – मेघदूतम् के आधार पर अलकापुरी की सुन्दरता का वर्णन करते हुए यक्षिणी की चरित्रगत विशेषताओं को लिखिए।

प्रश्न- 4. – कुमारसम्भव के पञ्चम सर्ग का सारांश लिखकर, बटुक वेशधारी शिव और पार्वती के संवाद पर प्रकाश डालिए

प्रश्न- 5. – नीतिशतकम् का परिचय देते हुए किन्हीं तीन पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।